भारत - कांगो गणराज्य संबंध

कांगो गणराज्य के आजाद होने से पहले से ही भारत और कांगो गणराज्य (आर ओ सी) के बीच मैत्रीपूर्ण एवं गर्मजोशीपूर्ण संबंध हैं। कांगो गणराज्य ने विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर भारत की उम्मीदवारी का समर्थन किया है।

औद्योगिक विकास एवं निजी क्षेत्र संवर्धन के वरिष्ठ मंत्री श्री मवोउबा इसीडोर के नेतृत्व में कांगो गणराज्य के शिष्टमंडल ने 9 से 11 मार्च, 2014 के के दौरान नई दिल्ली में भारत - अफ्रीका साझेदारी परियोजना के तहत आयोजित 10वीं सी आई आई - एक्जिम बैंक गोष्ठी में भाग लिया। उनके साथ व्यापार मंत्री सुश्री क्लाउडिन मुनारी, आर्थिक क्षेत्र मंत्री श्री एलियन अकावआला तथा युवा मामले मंत्री श्री कोलिनेट मकोसो भी आए थे।

17 से 19 मार्च, 2013 के दौरान नई दिल्ली में भारत - अफ्रीका साझेदारी परियोजना के तहत आयोजित 9वीं सी आई आई - एक्जिम बैंक गोष्ठी में भाग लेने के लिए व्यापार मंत्री सुश्री सुश्री क्लाउडिन मुनारी, आर्थिक क्षेत्र मंत्री श्री एलियन अकावआला एवं युवा मामले मंत्री श्री एंटोले सी मकोसो तथा अफ्रीकी संघ युवा आयोग के प्रमुख ने भाग लिया। उन्होंने 18 से 20 मार्च, 2012 के दौरान 8वीं गोष्ठी में भी भाग लिया था।

राष्ट्रपति सचिवालय में मंत्री तथा विशेष आर्थिक क्षेत्र प्रभारी श्री एलियन अकोवआला एटीपॉल्ट ने नई दिल्ली में भारत - अफ्रीका साझेदारी परियोजना के तहत आयोजित 7वीं सी आई आई - एक्जिम बैंक गोष्ठी में भाग लेने के लिए 27 से 29 मार्च, 2011 के दौरान भारत का दौरा किया।

विदेश मामले एवं सहयोग मंत्री श्री बासिले इकोइबे ने 13 से 18 मार्च, 2010 के दौरान भारत का आधिकारिक दौरा किया तथा उनके साथ वरिष्ठ अधिकारी भी आए थे। विदेश राज्य मंत्री के साथ अपनी बैठक के दौरान दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय संबंधों के सभी पहलुओं पर चर्चा की। दोनों पक्षों ने द्विपक्षीय सहयोग बढ़ाने और सुदृढ़ करने के लिए विशिष्ट क्षेत्रों की पहचान की।

परिवहन एवं नागर विमानन मंत्री श्री एमिली ओस्सो ने रेल मंत्री के निमंत्रण पर जुलाई, 2007 में भारत का दौरा किया। अफ्रीकी परिवहन मंत्री समूह (53 देश) के अध्यक्ष के रूप में उन्होंने भारत में अफ्रीकी परिवहन मंत्रियों की एक शिखर बैठक के आयोजन का प्रस्ताव रखा। उन्होंने राइट्स एवं रेलवे बोर्ड के साथ भी चर्चा की। रक्षा मंत्री मेजर जनरल जैक एवोन एनडोलो ने रक्षा मंत्री के निमंत्रण पर

फरवरी - मार्च, 2007 में भारत का दौरा किया। इससे पूर्व विदेश मंत्री रोडल्फ अडाडा तथा वाणिज्य मंत्री एडीलेड एंगोलो ने क्रमश: अक्टूबर, 2006 और नवंबर, 2006 में भारत का दौरा किया।

करार / एम ओ यू

विदेश कार्यालय परामर्श पर एक प्रोटोकॉल पर 17 मार्च, 2010 को हस्ताक्षर किया गया। पहले परामर्श का आयोजन 21 जनवरी, 2011 को ब्राजाविले में हुआ। सहयोग के विद्यमान स्तरों की समीक्षा करने के अलावा दोनों पक्षों ने परस्पर लाभप्रद द्विपक्षीय निवेश एवं व्यापार संबंध तेज करने के लिए सहमति व्यक्त की।

<u>कांगो गणराज्य के लिए भारत की आर्थिक सहायता :</u>

<u>ऋण सहायता :</u>

- एक ग्रामीण विद्युतीकरण परियोजना के वित्त पोषण के लिए 70 मिलियन अमरीकी डालर के ऋण सहायता करार पर 19 दिसंबर, 2011 को कांगो गणराज्य के वित्त, बजट एवं सार्वजनिक विभाग मंत्री महामहिम श्री गिलबर्ट ओडोंगो द्वारा हस्ताक्षर किया गया। यह परियोजना अच्छी तरह आगे बढ़ रही है।
- 2014 में, भारत सरकार ने राजधानी ब्राजाविले एवं पोइंटे नोरे में परिवहन प्रणाली के विकास के लिए 89.9 मिलियन अमरीकी डालर की एक अन्य ऋण सहायता को अनुमोदित किया है।
- 2014 में, भारत सरकार ने कांगो गणराज्य में एक ग्रीन फील्ड 600 टीपीडी रोटरी किल्न आधारित सीमेंट प्लांट परियोजना के लिए 55 मिलियन अमरीकी डालर की एक अन्य ऋण सहायता को भी अनुमोदित किया है।

<u>अनुदान / सहायता :</u>

- भारत सरकार ने कांगो गणराज्य की सरकार को 2010 में 2,00,000 अमरीकी डालर मूल्य की दवाओं को दान में दिया था।
- भारत सरकार ने कांगो गणराज्य के आर्डिनेंस डिपो के ब्लास्ट पीड़ितों के लिए मानवीय सहायता एवं आपदा राहत के रूप में 500,000 अमरीकी डालर का दान दिया था। यह घटना 4 मार्च, 2012 को हुई थी।
- अखिल अफ्रीकी ई-नेटवर्क परियोजना के तहत ब्राजाविले में टेली-एजुकेशन, टेली-मेडिसीन एवं वी वी आई पी कनेक्टिविटी नोड स्थापित किए गए हैं।

भारत - अफ्रीका मंच शिखर बैठक के तहत प्रस्ताव :

आईएएफएस-II के तहत कांगो गणराज्य को एक ग्रामीण प्रौद्योगिकी पार्क (आर टी पी), एक खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला (एफ टी एल) और अंग्रेजी भाषा प्रशिक्षण केंद्र (सी ई एल टी) की स्थापना का प्रस्ताव किया गया है। खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय के एक शिष्टमंडल ने 18 से 21 मई, 2012 के दौरान साइट का दौरा किया तथा कांगो गणराज्य की सरकार के साथ चर्चा की। भारत - अफ्रीका मंच शिखर बैठक-II के तहत, भारत सरकार ने कांगो गणराज्य में एक कृषि बीज उत्पादन सह प्रदर्शन केंद्र (ए एस पी डी सी) स्थापित करने का प्रस्ताव किया है। कांगो गणराज्य की सरकार ने इस केंद्र की स्थापना का स्वागत किया है।

क्षमता निर्माण कार्यक्रम :

- **आईटीईसी कार्यक्रम :** 2012-13 में 9 स्लाटों का उपयोग किया गया।
- **ए आई एफ एस-II प्रशिक्षण :** 2012-13 के दौरान 6 सरकारी अधिकारियों ने तथा 2013-14 के दौरान दो सरकारी अधिकारियों ने इसका लाभ उठाया।

व्यापार एवं वाणिज्यिक संबंध :

कांगो गणराज्य से भारत जिन वस्तुओं का आयात करता है उनमें मुख्य रूप से धात्विक अयस्क एवं मेटल स्क्रैप, जैविक रसायन, मोती, अर्ध बहुमूल्य पत्थर, तिलहन एवं पेट्रालियम शामिल हैं। भारत की ओर से कांगो गणराज्य को जिन वस्तुओं का निर्यात किया जाता है उनमें मुख्य रूप से चावल (गैर बासमती), चाय, स्प्रिट तथा बेवरेज, पावर लूम फेब्रिक, भेषज पदार्थ, मांस उत्पाद, स्टील की घरेलू वस्तुएं, साइकल आदि शामिल हैं।

कृषि, रेलवे, सूचना प्रौद्योगिकी, उद्योग, स्वास्थ्य, तेल एवं भेषज क्षेत्रों में सहयोग की संभावनाएं मौजूद हैं। कांगो गणराज्य ने आर्थिक, वैज्ञानिक एवं तकनीकी क्षेत्रों में तथा अवसंरचना क्षेत्र में, विशेष रूप से रेलवे में भारत से सहायता मांगी है।

द्विपक्षीय व्यापार के आंकड़ें यहां नीचे दिए गए हैं :

(मिलियन अमरीकी डालर में)

वर्ष	2006-07	2007-08	2008-09	2009-10	2010-11	2011-12	2012-13	2013-14	2014-15
निर्यात	136.15	151.41	209.81	196.20	241.88	347.40	199.12	210.32	252.89
आयात	59.70	104.24	487.28	545.20	543.33	258.91	454.72	89.53	365.52

<u>भारतीय समुदाय :</u>

इस देश में लगभग 300 भारतीय रह रहे हैं जो मुख्य रूप से व्यापार एवं सेवा क्षेत्र से जुड़े हैं।

उपयोगी संसाधन :

भारतीय दूतावास, किंशासा की वेबसाइट :

http://eoi.gov.in/kinshasa/

***

जून, 2015